Edit with WPS Office

Vidya Bhawan Balika Vidyapeeth
Shakti utthan Ashram Lakhisarai

ONLINE STUDY MATERIAL BASED ON NCERT

Class - XII , Subject - MUSIC by P.SARKAR

संगीत पारिजात ग्रंथ की सम्पूर्ण अध्ययन ~ Part - 1

- यह ग्रंथ पंडित अहोबल द्वारा सन् 1650 में लिखा गया है यह अपने काल का प्रतिनिधि ग्रन्थ माना जाता है क्योंकि यह कई दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इनके बाद के ग्रन्थाकारों में पं० अहोबल की छाया दिखती हैं। अहोबल ही प्रथम व्यक्ति थे जिन्होंने संगीत पारिजात में वीणा पर स्वरों का स्थान निश्चित करने के लिए एक नवीन पद्धति अपनाई। इस पद्धति के द्वारा साधारण व्यक्ति भी स्वर की स्थापना सही ढंग से कर सकता है।
- यह ग्रंथ मंगलाचरण से प्रारंभ होता है। इसके बाद स्वर, ग्राम, मुर्छना, स्वर-विस्तार, वर्ण, जाति , समय और राग प्रकरण(अध्याय) में संगीत के पारिभाषिक शब्दों और अन्य बातों पर विचार किया गया है।